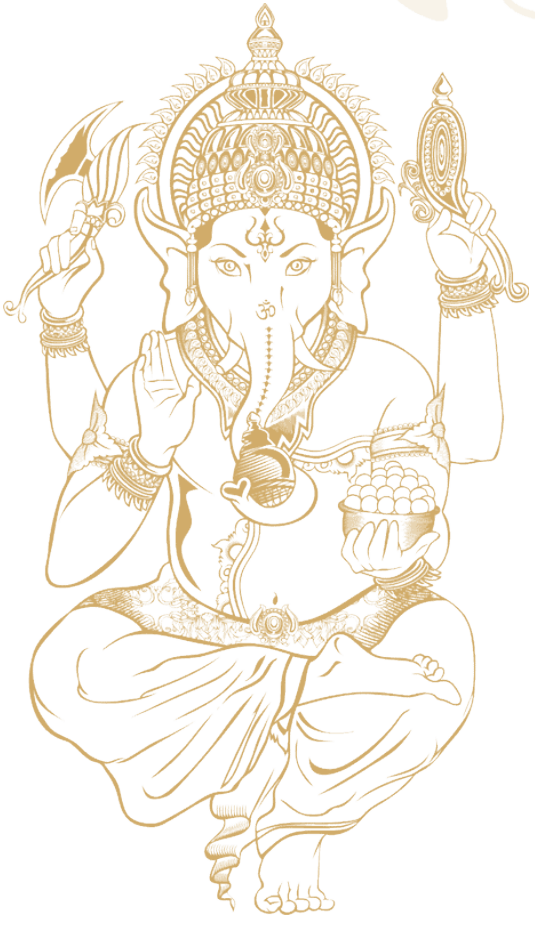

Akash Raghav

27 Nov 2000

08:30 AM

Atrauli

Model: web-freekundliweb

Order No: 121640002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/11/2000**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**08:30:00 घंटे**
इष्ट	04:14:20 घटी
स्थान	**Atrauli**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:02:00 उत्तर
रेखांश	78:16:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:16:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:13:04 घंटे
वेलान्तर	00:12:19 घंटे
साम्पातिक काल	12:38:26 घंटे
सूर्योदय	06:48:16 घंटे
सूर्यास्त	17:21:01 घंटे
दिनमान	10:32:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	11:18:24 वृश्चिक
लग्न के अंश	02:43:32 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	धृति
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	यी-यीशू
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	02:43:32	326:37:10	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
सूर्य			वृश्चि	11:18:24	01:00:46	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	24:29:41	12:16:03	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	नीच राशि
मंगल			कन्या	20:14:31	00:36:27	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
बुध			तुला	25:52:52	01:29:50	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	मित्र राशि
गुरु	व		वृष	12:25:05	00:08:12	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			धनु	22:53:09	01:11:12	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
शनि	व		वृष	03:00:33	00:04:49	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	22:08:05	00:04:30	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	22:08:05	00:04:30	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	उच्च राशि
हर्ष			मक	23:26:59	00:01:34	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
नेप			मक	10:25:31	00:01:22	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	18:34:56	00:02:19	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			कन्या	16:35:08	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:53

लग्न-चलित

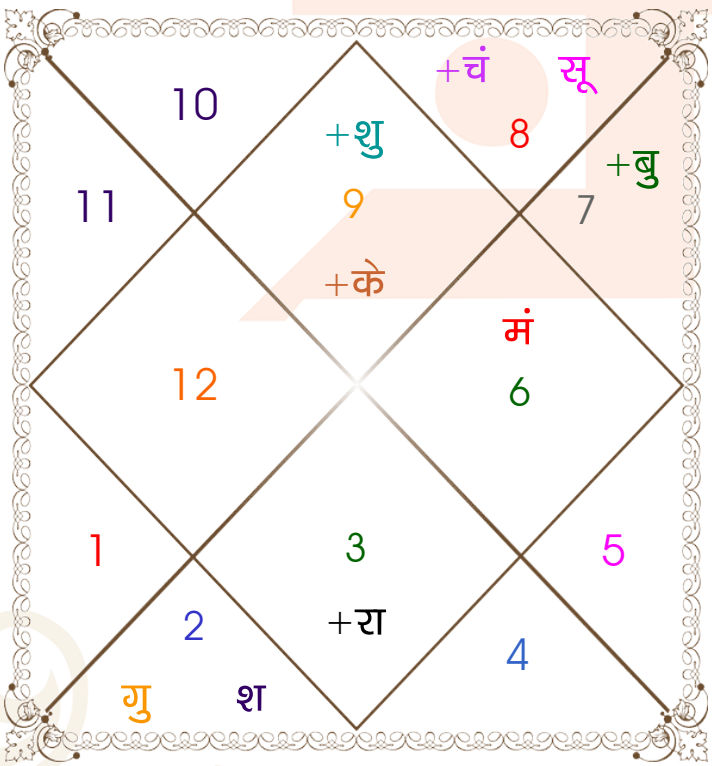

चन्द्र कुंडली

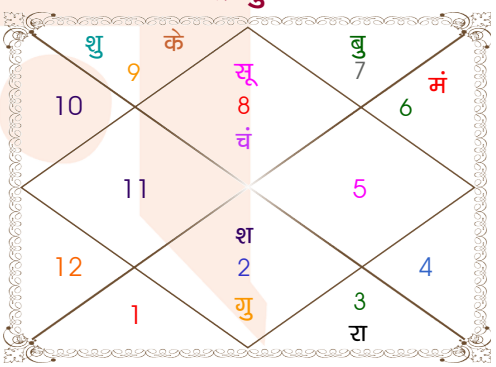

नवमांश कुंडली

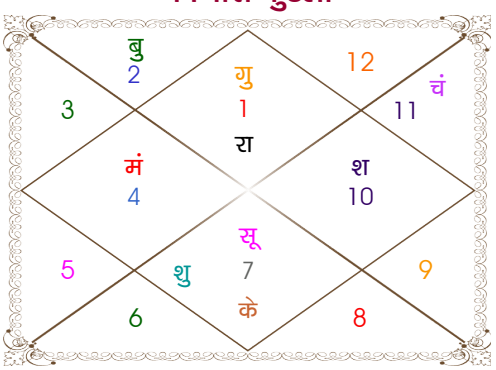

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 7 वर्ष 0 मास 6 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
27/11/2000		05/12/2007		04/12/2014		04/12/2034		04/12/2040	
05/12/2007		04/12/2014		04/12/2034		04/12/2040		04/12/2050	
	00/00/0000	केतु	02/05/2008	शुक्र	05/04/2018	सूर्य	24/03/2035	चंद्र	04/10/2041
	00/00/0000	शुक्र	02/07/2009	सूर्य	05/04/2019	चंद्र	23/09/2035	मंगल	05/05/2042
	00/00/0000	सूर्य	07/11/2009	चंद्र	04/12/2020	मंगल	28/01/2036	राहु	04/11/2043
	00/00/0000	चंद्र	08/06/2010	मंगल	03/02/2022	राहु	22/12/2036	गुरु	05/03/2045
	00/00/0000	मंगल	04/11/2010	राहु	03/02/2025	गुरु	10/10/2037	शनि	04/10/2046
	27/11/2000	राहु	22/11/2011	गुरु	05/10/2027	शनि	22/09/2038	बुध	05/03/2048
राहु	20/12/2002	गुरु	28/10/2012	शनि	04/12/2030	बुध	30/07/2039	केतु	04/10/2048
गुरु	26/03/2005	शनि	07/12/2013	बुध	04/10/2033	केतु	05/12/2039	शुक्र	05/06/2050
शनि	05/12/2007	बुध	04/12/2014	केतु	04/12/2034	शुक्र	04/12/2040	सूर्य	04/12/2050

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
04/12/2050		04/12/2057		05/12/2075		05/12/2091		05/12/2110	
04/12/2057		05/12/2075		05/12/2091		05/12/2110		00/00/0000	
मंगल	02/05/2051	राहु	16/08/2060	गुरु	22/01/2078	शनि	07/12/2094	बुध	03/05/2113
राहु	20/05/2052	गुरु	10/01/2063	शनि	04/08/2080	बुध	17/08/2097	केतु	30/04/2114
गुरु	26/04/2053	शनि	16/11/2065	बुध	10/11/2082	केतु	25/09/2098	शुक्र	28/02/2117
शनि	05/06/2054	बुध	04/06/2068	केतु	17/10/2083	शुक्र	26/11/2101	सूर्य	05/01/2118
बुध	02/06/2055	केतु	23/06/2069	शुक्र	17/06/2086	सूर्य	08/11/2102	चंद्र	06/06/2119
केतु	29/10/2055	शुक्र	22/06/2072	सूर्य	05/04/2087	चंद्र	08/06/2104	मंगल	02/06/2120
शुक्र	28/12/2056	सूर्य	17/05/2073	चंद्र	04/08/2088	मंगल	18/07/2105	राहु	28/11/2120
सूर्य	05/05/2057	चंद्र	16/11/2074	मंगल	11/07/2089	राहु	24/05/2108		00/00/0000
चंद्र	04/12/2057	मंगल	05/12/2075	राहु	05/12/2091	गुरु	05/12/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 7 वर्ष 0 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाले प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रहा है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलते रहते हैं। परंतु यह नहीं सोचते हैं कि बातों का सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपकी कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपमें भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकते। आप चिंतन कर सकते है कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगे।

साथ-साथ घरेलू मामले में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगे। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वास्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करते हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताते है। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखते हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझते हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगे।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकते हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाला बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकते हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।